लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक : 16- 30 जून, 2023 www.haryanasamvad.gov.in अंक - 68

"यात्राओं में आदमी अकेला नहीं, खुद के साथ चलता है।"

: अज्ञात

विकास व विरासत की झलक

3

श्रमिकों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं

5

श्रीमाता मनसा देवी परिसर में बनेगी हनुमान वाटिका

8

एमएसपी में बढ़ोतरी, मानसून की दस्तक

खुशहाल होंगे खेत खलिहान

विशेष प्रतिनिधि

कृषि क्षेत्र की मजबूती के लिए केंद्र व राज्य सरकारें दिल खोल कर और साफ नीयत से काम कर रही हैं। जो कार्य साफ नीयत से किया जाता है उसमें प्रकृति भी सहयोग करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में जब केंद्रीय मंत्रिमंडल खरीफ सीजन की फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि करने पर मुहर लगा रहा था तो मानसून केरल में दस्तक दे रहा था।

देश के दक्षिणी भाग में मानसून सक्रिय हो चुका है। आने वाले दिनों में यह देश के अधिकांश भाग में पहुंच जाएगा। हरियाणा व दिल्ली एनसीआर में जुलाई के पहले सप्ताह में मानसूनी झमाझम होने के असार हैं। इससे पहले जून के तीसरे व चौथे सप्ताह में मानसून पूर्व बरसात होने की उम्मीद लगाई गई है। कुल मिलाकर एमएसपी में बढ़ोतरी व मानसून की सक्रियता, दोनों से खेत खलिहान खुशहाल होंगे।

धान, कपास और बाजरा सहित अन्य फसलों के मूल्यों में बढ़ोतरी अब तक की सबसे अधिक बढ़ोतरी मानी जा रही है। इससे खेत किसानी से जुड़े परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा वे आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होंगे।

हरियाणा क्षेत्र की मुख्य फसल धान (सामान्य) के न्यूनतम समर्थन मूल्य 2040 रुपए प्रति क्विंटल में 143 रुपए की बढ़ोतरी कर 2183 रुपए किया गया है। जबकि ए-ग्रेड धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2060 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2203 रुपए प्रति क्विंटल व सूरजमुखी का न्यूनतम समर्थन मूल्य 6400 रुपए से 6760 रुपए प्रति क्विंटल किया गया है।

फसलें	एमएसपी 2014-15	एमएसपी 2022-23	एमएसपी 2023-24
धान - सामान्य	1,360	2,040	2,183
धान-ग्रेड ए	1,400	2,060	2,203
ज्वार-हाइब्रिड	1,530	2,970	3,180
ज्वार-मालदांडी	1,550	2,990	3,225
बाजरा	1,250	2,350	2,500
मक्का	1,310	1,962	2,090
तुअर/अरहर	4,350	6,600	7,000
मूंग	4,600	7,755	8,558
उड़द	4,350	6,600	6,950
सूरजमुखी के बीज	3,750	6,400	6,760
कपास (मध्यम रेशा)	3,750	6,080	6,620
कपास (लंबा रेशा)	4,050	6,380	7,020

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस बढ़ोतरी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह निर्णय किसानों की आय दोगुनी करने की सरकार की वचनबद्धता को दर्शाता है। एमएसपी बढ़ोतरी से हरियाणा के लगभग 17 लाख किसान परिवारों को लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि राज्य सरकार सुरजमुखी फसल पर पिछले पांच साल से भावांतर भरपाई योजना के तहत किसानों को मुआवजा दे रही है। हाल ही में प्रदेश के 8528 किसानों को 29 करोड़ 13 लाख रुपए जारी किए गए हैं। किसानों को इसके अलावा अन्य योजनाओं का भी लाभ दिया जा रहा है।

मिलेनियम सिटी में दौड़ेगी मेट्रो

गुरुग्राम में मेट्रो के विस्तार का रास्ता साफ हो गया है। केंद्रीय मत्रिमंडल ने हुडा सिटी सेंटर से साइबर सिटी तक मेट्रो परियोजना को मंजूरी दे दी। इन दो स्टेशनों के बीच की दूरी 28.50 किलोमीटर होगी जिसमें कुल 27 स्टेशन होंगे। परियोजना पर कुल खर्च होगा 5452 करोड़ रुपए।

नया मेट्रो मार्ग हुडा सिटी से शुरू होकर सेक्टर 45, साइबर पार्क, जिला शापिंग सेंटर सेक्टर 47, सुभाष चौंक, सेक्टर 48, सेक्टर 72 ए, हीरो होंडा चौंक, उद्योग विहार फेज 6 सेक्टर 10, सेक्टर 37, बसई गांव, सेक्टर 101, सेक्टर 9, सेक्टर 7,4 व 5, अशोक विहार, सेक्टर 3, बजघेड़ा मार्ग, पालम विहार एक्सटेंशन, पालम विहार, सेक्टर 23 ए, सेक्टर 22, उद्योग विहार फेज 4, फेज 5 तथा साइबर सिटी।

जानकारी के मुताबिक नई मेट्रो लाइन साइबर सिटी में मौलसरी एवेन्यू के पास रैपिड मेट्रो स्टेशन से भी जुड़ेगी। इसके अलावा रेजांगला चौंक से सेक्टर 21 द्वारका तक मेट्रो रेल कनेक्टिविटी, सराय कालेखां से पानीपत तक रिजनल रेपिड ट्रांजिट सिस्टम भी तैयार किया जा रहा है।

परियोजना पर भारत सरकार की ओर से 896.19 करोड़, हरियाणा सरकार की ओर से 1732.49 करोड़ तथा लोन कंपोनेंट की ओर से 2688.57 करोड़ रुपए खर्च होंगे। वर्ष 2026 तक परियोजना पूरी होने की संभावना है। मेट्रो मार्ग पर सिविल वर्क जुलाई माह में शुरू हो जाने की उम्मीद है। मेट्रो रेल की गति 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रहेगी। इसी के अनुसार ट्रेक को डिजाइन किया जाएगा।

दूसरी ओर हिसार एयरपोर्ट व दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे के बीच बिछाई जाने वाली रेलवे लाईन के प्रोजेक्ट के प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया गया है। करीब 35 किलोमीटर लंबी इस लाइन पर लगभग 1215 करोड़ की लागत आने की उम्मीद है।

पानी बचाने का संकल्प

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के आह्वान पर राज्य सरकार ने संकल्प लिया है कि प्रदेशवासियों के सहयोग से जल संरक्षण की दिशा में गंभीरता से कार्य किया जाएगा। जहां तक संभव होगा पानी की एक-एक बूंद के व्यर्थ बहने पर अंकुश लगाएंगे। जल संरक्षण अभियान को जन आंदोलन बनाकर लोगों की सक्रिय भागीदारी के लिए प्रयास किये जाएंगे।

प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि बेटियों ने हमें आवाज़ दी थी कि उन्हें बचाया जाए। हमने 'बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ' अभियान चलाया और समाज के सहयोग से उसे सफल बनाया। आज धरती माँ पुकार रही है, तो हमारा फर्ज़ बनता है कि हम अपने प्राकृतिक संसाधनों का दोहन तो करें, लेकिन शोषण न करें। यानी पानी का उतना ही इस्तेमाल करें जितनी जरूरत हो।

जल संरक्षण के लिए शुरू किए गए विशेष अभियान के प्रारंभ अवसर पर सीएम ने कहा कि पंचतत्वों को यदि हम देखें तो उसका मतलब भगवान बनता है। भू यानी भूमि (पृथ्वी), ग यानी गगन, अ यानी अग्नि, वा यानी वायु और न यानी नीर या जल होता है। इसलिए हमें अपने बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों को बचाना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिन ऐतिहासिक दिन है, जब इतने बड़े स्तर पर जल संसाधन के लिए कार्य योजना का अनावरण किया गया है। इस कार्य योजना में पानी की कमी और जलभराव की दोहरी चुनौती से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों द्वारा बनाई गई ब्लॉक स्तरीय कार्य योजनाएं शामिल हैं।

एकीकृत जल संसाधन कार्य योजना का लक्ष्य पानी की बचत करके दो वर्षों की अवधि में पानी की मांग और आपूर्ति के अंतर को 49.7 प्रतिशत तक पूरा करना है। पहले वर्ष में कुल 22 प्रतिशत पानी और दूसरे वर्ष में 27.7 प्रतिशत पानी बचाना है। यह कदम पर्यावरण के लिए भी महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में कुल पानी की उपलब्धता 20,93,598 करोड़ लीटर है, जबकि पानी की कुल मांग 34,96,276 करोड़ लीटर है, जिससे पानी का अंतर 14 लाख करोड़ लीटर है। प्रस्तुत जल संशाधन एक्शन प्लान से अगले दो वर्षों में पानी की बचत करने का लक्ष्य रखा है।

संपादकीय

पंजाब विश्वविद्यालय बनाम हरियाणा

पंजाब विश्वविद्यालय को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री के इस तर्क में दम है कि हरियाणा के तीन जिलों पंचकूला, अम्बाला और यमुनानगर के कॉलेजों के साथ-साथ पंजाब के मोहाली और रोपड़ जिले के कॉलेजों को भी पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ से संबद्धता दी जानी चाहिए। उनकी इस बात में भी एक उदारपंथी सोच की सुगंध आती है कि दिल्ली यूनिवर्सिटी अपना कैम्पस हरियाणा में बना रही है। आईटीआई, दिली का कैम्पस भी हरियाणा में बन रहा है। इसलिए पंजाब सरकार भी छात्र हितों पर ध्यान दे। शिक्षा का विस्तार करने से बच्चों को कई अवसर मिलेंगे। कॉलेजों की संबद्धता से हरियाणा के छात्रों को नए अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने यह तर्क उस बैठक में दिए हैं कि जो पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ इसी विषय को लेकर संपन्न हुई है। बैठक की अध्यक्षता पंजाब के राज्यपाल श्री बीएल पुरोहित कर रहे थे। श्री पुरोहित ने भी मुख्यमंत्री मनोहर लाल के तर्कों का समर्थन किया।

भारत विभाजन के बाद 1 अक्तुबर, 1947 को 'ईस्ट पंजाब यूनिवर्सिटी' के नाम से यह भारत में स्थापित हुई थी। तब इसका अस्थायी मुख्यालय सोलन (हिमाचल) के छावनी क्षेत्र में था। नाम में नया बदलाव वर्ष 1951 में आया। अब चंडीगढ़ में स्थापित इस गरिमापूर्ण विश्वविद्यालय में शैक्षणिक-स्टाफ की संख्या 1005 है, 78 विभाग हैं और 188 कॉलेज इससे सम्बद्ध हैं। लगभग 550 एकड़ में फैले इस विश्वविद्यालय में अपना ही हेल्थ सेंटर है, छात्रावास हैं और प्राध्यापकों व कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए भी आवास हैं। प्रथम चरण में इसके शिक्षण-विभागों के केंद्र होशियारपुर, जालंधर, दिल्ली, अमृतसर व रोहतक में भी थे।

सेक्टर 16 व सेक्टर-25 के कुछ क्षेत्रों में फैले हुए इस विश्वविद्यालय का आर्कीटैक्चर लॉ-कार्बूजिए और पियरे जैनरे ने ही रचा था। एक समय ऐसा भी था जब इसका एक अस्थायी परीक्षा केंद्र लंदन में भी था और दिल्ली में तो था ही।

जब से पंजाब का पुनर्गठन (1996) हुआ और हरियाणा अस्तित्व में आया तब से लेकर अब तक दोनों राज्यों के मध्य किसी भी द्विपक्षीय विवाद का हल नहीं हो पाया। अलग राजधानी, अलग सचिवालय, अलग विधानसभा परिसर, अलग हाईकोर्ट, जल-बंटवारा, चंडीगढ़-विभाजन, सभी अधर में लटके हैं।

लेकिन यह भी एक सुखद हकीकत है कि इतने विवादों के समाधान न हो पाने के बावजूद दोनों राज्य फल-फूल रहे हैं। देश के इतिहास में कहीं भी ऐसा उदाहरण नहीं मिलता जहां दो राज्य एक ही राजधानी से काम चला रहे हों। दोनों का सचिवालय भी एक है। दोनों के मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, मुख्य सचिव व अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एक ही सचिवालय का प्रयोग करते हैं। लिफ्ट कक्ष भी वही है। परिसर में प्रवेश-सुरक्षा भी एक ही स्थान से नियंत्रित होती है। दोनों राज्यों का विधानसभा परिसर भी सांझा है। सिर्फ सदन अलग-अलग हैं। मगर पत्रकारों की कैंटीन सांझी है। ऐसे माहौल में पंजाब विवि में हरियाणा के कुछ कॉलेजों की संबद्धता में पंजाब को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

-डॉ. चन्द्र त्रिखा

यूपीएससी के लोक सेवक

प्रतिभा को माहौल की दरकार होती है। यह माहौल हरियाणा प्रदेश की आबोहवा मे मिलता है। प्रदेश की वर्तमान राज्य सरकार ने इस माहौल को बनाने के लिए अनेक अनुकूल नीतियां बनाई हैं। यही वजह है कि यहां के युवा न केवल कृषि या खेल में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहे हैं बल्कि शिक्षा व चिकित्सा क्षेत्र में भी निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। वर्ष 2022 की सिविल सेवा परीक्षा में प्रदेश के 6.50 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने सफलता पाई है।

देश में हरियाणा की कुल आबादी दो प्रतिशत है जबकि रक्षा क्षेत्र में 10 प्रतिशत, खेलों में 35 प्रतिशत और कृषि क्षेत्र में 15 प्रतिशत हरियाणा का योगदान है। सरकार का प्रयास है कि इस योगदान को और आगे ले जाया जाए।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफल हुए हरियाणा के होनहार अभ्यर्थियों को स्मृति चिह्न एवं श्रीमदभगवद् गीता भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने प्रतिभावान युवाओं और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि चयनित अभ्यर्थी हरियाणा उदय व आत्मनिर्भर भारत में अच्छा योगदान देंगें। उन्होंने कहा कि उन्हें वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ आगे बढ़ना है और समाज को सुखी बनाने के लिए बेहतर कार्य करना है।

मुख्यमंत्री ने सिविल सेवा के नवनियुक्त अभ्यर्थियों को लोक सेवकों की संज्ञा देते हुए कहा कि वे पूर्ण ईमानदारी, संवेदनशीलता, धैर्य, सेवाभाव और अंत्योदय की भावना के साथ कार्य करें। वर्ष 2022 की सिविल सेवा परीक्षा परिणाम में प्रदेश के 63 अभ्यर्थियों और टॉप 100 में 19 अभ्यर्थियों का चयन होना हरियाणा के लिए गर्व का विषय है। इस परीक्षा में 32 लड़के व 31 लड़कियों का चयन होना 'बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ' मुहिम का भी सार्थक परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभ्यर्थी प्रशिक्षण के दौरान ही उदार चरित्र अपनाएं और अंत्योदय को मुख्य ध्येय बनाकर पूरे देश को अपना परिवार मानते हुए सामाजिक सेवा की भावना से बिना भेदभाव के कार्य करें ताकि अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन सकें। उन्होंने कहा कि भविष्य में मन लगाकर कार्य करें और कभी भी किसी की बात को मन से न लगाएं। यही उनकी सेवा की सफलता की पहचान बनेगी।

- संवाद ब्यूरो

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की ओर बढ़ते कदम

शिक्षा हमारे जीवन में अहम भूमिका निभाती है। यह हमें अच्छा इंसान बनाने के साथ-साथ आर्थिक रूप से मज़बूत करती है। हरियाणा में विद्यार्थियों की स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक विशेष जोर दिया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के विभिन्न पहलुओं को प्रमुखता से लागू किया जा रहा है। इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए कॉलेज व विश्वविद्यालय ने तीन और चार वर्षीय स्नातक डिग्री प्रोग्राम शुरू किए हैं, जिससे विद्यार्थियों को मल्टीपल एंट्री व एग्जिट विकल्पों की सुविधा मिलेगी तथा उन्हें ऑनर्स तथा ऑनर्स विद रिसर्च में चार वर्षीय स्नातक डिग्री का अवसर मिलेगा। हालांकि, विद्यार्थियों के लिए तीन वर्षीय स्नातक डिग्री का विकल्प भी खुला रहेगा। इसके अलावा, विद्यार्थियों को अपनी मुख्य डिग्री के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित किसी भी अन्य डिग्री पाठ्यक्रम को चुनने का विकल्प भी रहेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शिक्षा बोर्ड ऐसी योजनाएं तैयार कर रहा है, जिससे बच्चों को नवीनतम प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए गुणवत्तापरक शिक्षा दी जाएगी। छात्र विश्व स्तरीय शिक्षा का लाभ उठा पाएगें। सभी शिक्षण संस्थाओं में पाठ्यक्रमों को विद्यार्थियों की रूचि अनुसार तैयार कर कौशल एवं रोजगार आधारित शिक्षा प्रणाली शुरू करने से बच्चों में कुशलता का विकास होगा और उनकी प्रतिभा निखरेगी। मूल्य आधारित शिक्षा देने पर भी जोर दिया जा रहा है। इससे बच्चों को भारतीय मूल्यों और समृद्ध संस्कृति का ज्ञान होगा। युवा जहां भी जाएंगे भारतीय संस्कृति के अनुसार आचरण करेंगे।

ताकि कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे

स्कूल ड्रॉप आउट पर अंकुश लगाने के लिए हरियाणा सरकार अथक प्रयास कर रही है। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग को 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग की जिम्मेवारी दी गई है।

लिए परिवहन विभाग की ओर से प्रत्येक बच्चे की ट्रैकिंग की जा रही है और ऐसे बच्चे जो न सरकारी व निजी स्कूलों, न गुरुकुल या मदरसे कहीं भी शिक्षा प्राप्त नहीं कर रहे हैं, उन बच्चों को ट्रैक कर उन्हें स्कूलों में लाया जाएगा, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। प्रदेश में एक किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित स्कूलों में विद्यार्थियों को आने-जाने में किसी प्रकार की कोई कठिनाई न आए, इसके लिए छोटे वाहनों के माध्यम से छात्रों को आवागमन की सुविधा प्रदान की जाएगी। वर्तमान में छात्राओं की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन सुविधा मुहैया करवाई जा रही है।

स्विटजरलैंड के साथ एक समझौता

शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड व स्विटजरलैंड शिक्षा बोर्ड के मध्य एक समझौता हुआ है। एमओयू के तहत राजकीय तथा अराजकीय विद्यालयों में से कुछ अध्यापकों को मास्टर ट्रेनर के तौर पर चयनित कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा। योजना के तहत पहले 20 विद्यालयों में कार्यक्रम चलाए जाएंगे। समझौते के बाद हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के प्रमाण-पत्रों पर स्विट्जरलैंड बोर्ड के भी हस्ताक्षर होंगे।

साइबर सुरक्षा पर कोर्स

प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में इसी शैक्षणिक सत्र से साइबर सुरक्षा तथा डिफेंस जर्नलिज्म जैसे विषयों पर भी पढ़ाई होगी। गवर्नमेंट कॉलेज शहजादपुर व खरखौदा में नेशनल एंड साइबर सिक्योरिटी में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा शुरू किया गया है। खरखौदा तथा गवर्नमेंट कॉलेज, झज्जर में डिफेंस जर्नलिज्म में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा भी शुरू किया जाएगा।

नए कोर्स के लए ऑनलाइन आवेदन

जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विभिन्न सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 20 जून, 2023 है। एनईपी-2020 के प्रावधानों को सत्र इसी सत्र से संबद्ध कॉलेजों में भी लागू किया जा रहा है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय आगामी सत्र से बीएससी (विजुअल कम्युनिकेशन एंड मल्टीमीडिया टेक्नोलॉजी) के रूप में नया पाठ्यक्रम भी शुरू करने जा रहा है।

ऑनलाइन काउंसलिंग

जेसी बोस यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो सुशील कुमार तोमर ने कहा कि सभी बीटेक पाठ्यक्रमों में दाखिला हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा सोसायटी द्वारा आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से किया जाएगा । इसका कार्यक्रम एचएसटीईएस की वेबसाइट hstes.org.in पर उपलब्ध रहेगा। हालांकि विज्ञान, प्रबंधन एवं कला से संबंधित स्नातक पाठ्यक्रमों और सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिला विश्वविद्यालय स्तर पर होगा। विश्वविद्यालय ने दाखिला संबंधी पूछताछ के लिए दाखिला हेल्पलाइन नंबर 7428954273 और ई-मेल admissionhelp@jcbo-seust.ac.in भी शुरू किया है।

- संवाद ब्यूरो

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
स्टाफ राइटर : संगीता शर्मा
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की करनाल जिला में करीब 1,177 लाख रुपए की लागत से तैयार होने वाली आठ तीर्थ परियोजनाओं का शिलान्यास किया है।

G20

गुरुग्राम में एनएफटी, एआई और मेटावर्स के युग में अपराध और सुरक्षा पर 13 व 14 जुलाई को जी-20 सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। यहां हरियाणा के इतिहास और विकास की यात्रा की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

विकास व विरासत की झलक

> दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को नई संसद एक नई ऊर्जा और नई मज़बूती प्रदान करेगी। हमारे श्रमिकों ने अपने पसीने से इस संसद भवन को भव्य बना दिया है। अब हम सभी सांसदों का दायित्व है कि इसे अपने समर्पण से और ज़्यादा दिव्य बनाएं।
>
> **-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

विशेष प्रतिनिधि

प्रत्येक राष्ट्र के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो अमर होते हैं। कुछ तिथियां समय के चेहरे पर अमर हस्ताक्षर बन जाती हैं। 28 मई, 2023 एक ऐसा ही दिन रहा, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में नवनिर्मित संसद भवन राष्ट्र को समर्पित किया। देश आजादी के 75 वर्ष होने पर अमृत महोत्सव मना रहा है। इस अमृत महोत्सव में भारत के लोगों ने अपने लोकतंत्र को संसद के इस नए भवन का उपहार दिया है। प्रधानमंत्री ने नवनिर्मित संसद भवन में पूर्व-पश्चिम दिशा की ओर मुख करके शीर्ष पर नंदी के साथ सेंगोल को स्थापित किया। उन्होंने दीया प्रज्वलित किया और सेंगोल को पुष्प अर्पित किए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह केवल एक भवन नहीं है, बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब है। ये विश्व को भारत के दृढ़ संकल्प का संदेश देता हमारे लोकतंत्र का मंदिर है। यह नया संसद भवन योजना को वास्तविकता से, नीति को कार्यान्वयन से, इच्छाशक्ति को निष्पादन से और संकल्प को सिद्धि से जोड़ता है। यह स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने का माध्यम बनेगा। यह आत्मनिर्भर भारत के सूर्योदय का साक्षी बनेगा और एक विकसित भारत का निर्माण होता देखेगा। यह नया भवन प्राचीन और आधुनिक के सह-अस्तित्व का उदाहरण है।

संसद भवन नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन से 750 मीटर की दूरी पर, संसद मार्ग पर स्थित है जो सेंट्रल विस्टा को पार करता है और इंडिया गेट, युद्ध स्मारक, प्रधानमन्त्री कार्यालय और निवास, मंत्री भवन और भारत सरकार की अन्य प्रशासनिक इकाइयों से घिरा हुआ है।

10 दिसंबर 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी ने पुराने संसद भवन के ठीक सामने नए भवन का पहला पत्थर रखा था। तिकोने आकार के नए संसद भवन का निर्माण 15 जनवरी 2021 को शुरू हुआ था। अढ़ाई साल और 973 करोड़ रुपए खर्च करने के बाद नई संसद बनकर तैयार है। 64,500 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में चार मंजिला संसद भवन बहुत ही भव्य तरीके से तैयार किया गया है। इसमें 3 दरवाजे हैं, इन्हें ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार नाम दिया गया है। सांसदों और वीआईपी के लिए अलग एंट्री है। नया भवन पुराने भवन से 17 हजार वर्ग मीटर बड़ा है। इस पर भूकंप का असर नहीं होगा।

इसका डिजाइन एचसीपी डिजाइन, प्लानिंग एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने तैयार किया है। इसके आर्किटेक्ट बिमल पटेल हैं।

नया संसद भवन वास्तुशिल्प कला व संस्कृति का अद्भुत उदाहरण है। इसमें संपूर्ण भारत की उत्कृष्ट सांस्कृतिक विरासत के दर्शन होंगे। नवनिर्मित नए संसद भवन में प्रत्येक भारतीय को अपने-अपने राज्यों की संस्कृति की झलक भी देखने को मिलेगी। नई संसद भवन का नया विराट लोकसभा कक्ष राष्ट्रीय पक्षी मोर से प्रेरित है। वहीं, इसका आकार मौजूदा लोकसभा से लगभग दो गुना बड़ा है। इसी प्रकार, नया राज्य सभा कक्ष राष्ट्रीय पुष्प कमल से प्रेरित है, जिसका आकर भी मौजूदा राज्यसभा से लगभग डेढ़ गुना बड़ा है। संसद के प्रांगण में राष्ट्रीय वृक्ष बरगद भी है। हमारे देश के अलग-अलग हिस्सों की जो विविधता है, इस नए भवन ने उन सबको समाहित किया है। इसमें राजस्थान से लाए गए ग्रेनाइट और बलुआ पत्थर लगाए गए हैं। महाराष्ट्र से आई लकड़ी का प्रयोग किया गया है। यूपी में भदोही के कारीगरों ने कालीनों को बुना है। एक तरह से, इस भवन के कण-कण में हमें 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना के दर्शन होंगे। नए संसद भवन की संरचना ने लगभग 60 हजार श्रमिकों को रोज़गार देने का काम किया है।

संसद भवन में स्थापित सेंगोल सभी के लिए भारत सरकार के न्यायपूर्ण और निष्पक्ष शासन के अटूट संकल्प का स्मरण करवाता है। देश की विविधता संसद भवन में समाहित है। संसद भवन में ऑटोमेटिक कैमरा कंट्रोल और कमांड सेंटर का भी निर्माण किया गया है और सबसे बड़ी बात यह है यह स्मार्ट भवन पूरी तरह से पेपरलेस है।

> आत्मनिर्भर भारत के प्रतीक नए संसद भवन के निर्माण में देश के हर भाग ने अपनी भागीदारी निभाई है, जिससे विकास व विरासत की सांझी झलक देखने को मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भवन भारत को दुनिया में एक नई पहचान दिलाएगा।
>
> **- मनोहर लाल, मुख्यमंत्री**

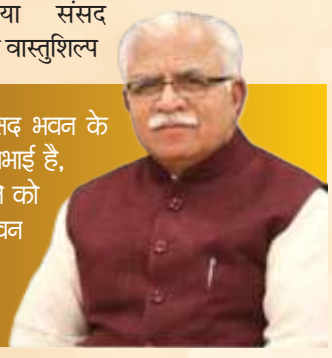

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मंच से ''सेल्फी विद डॉटर'' के विशेष अभियान का आगाज़ हुआ। यह अभियान दिव्यांग बेटियों को समर्पित किया गया है।

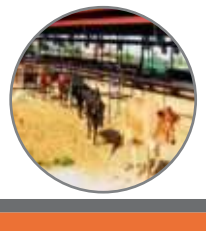

गौशालाओं को योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 व वित्तीय वर्ष 2022-23 की बकाया अनुदान राशि की किश्त जारी की गई है।

जवाबदेही के संकल्प

जन कल्याणकारी योजनाएं बनाने व लागू कराने की प्रतिबद्धता

संवाद ब्यूरो

पिछले साढ़े 8 वर्षों में राज्य सरकार द्वारा डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में उठाए गए अनेक कदम नागरिकों के लिए कारगर सिद्ध हो रहे हैं। ई-गवर्नेंस के माध्यम से सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में मानव हस्तक्षेप को कम करके आम जनमानस को उनके घर द्वार पर सभी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इससे एक ओर जहां भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है, वहीं प्रशासनिक प्रक्रियाओं ने भी गति पकड़ी है। परिणामस्वरूप आज प्रशासन स्मार्ट (सिंपल, मोरल, अकाउंटेबल, रिस्पांसिबल, ट्रांसपेरेंट) बना है।

मुख्यमंत्री कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के संचालकों से सीधा संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सीएससी संचालकों से योजनाओं के लिए डेटा अपलोड करने से संबंधित जानकारी मांगी तो कुछ सीएससी संचालकों ने कहा कि कई बार उनके स्तर पर पोर्टल पर डाटा दर्ज करने में गलती हो जाती है, जिससे पात्र लाभार्थी को देरी से लाभ मिलता है। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि यदि सीएससी स्तर पर अपलोड किए गए डाटा में किसी भी प्रकार की गलती होती है तो उस गलती को 48 घंटों के अंदर दुरुस्त किया जाए ताकि लोगों को सेवाओं के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े।

सीएससी संचालकों ने 60 वर्ष की आयु से अधिक नागरिकों की आयु सत्यापन का विषय भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। इस पर मुख्यमंत्री ने बताया कि 58 से 60 वर्ष की आयु की सत्यापन की प्रक्रिया सुगमता से चल रही है और 60 वर्ष आयु वर्ग से अधिक की सत्यापन प्रक्रिया भी सरकार जल्दी शुरू करेगी।

ऑनलाइन सुविधाएं :

प्रदेश में सुशासन के नाते से विभागों की लगभग साढ़े 500 से अधिक योजनाओं और सेवाओं को ऑनलाइन नागरिकों तक पहुंचाया जा रहा है। ये सिर्फ सीएससी के माध्यम से ही संभव हो पाया है। सीएससी सरकार और जनता के बीच एक कड़ी का काम कर रहे हैं। प्रदेश में लगभग 13 हजार सा य सामान्य सेवा केन्द्र संचालित हैं। इन केन्द्रों में विभिन्न प्रकार की 12,938 सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इनसे जहां प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर रोजगार मिला है, वहीं नागरिकों को अपने घर के नजदीक ही सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हुई हैं। वित्त वर्ष 2022-23 में सीएससी के माध्यम से 1 करोड़ 72 लाख 39 हजार ट्रांजेक्शन हुई हैं।

डिजिटल इंडिया के बढ़ते कदम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने में हरियाणा सरकार अग्रणी भूमिका निभा रही है। डिजिटल इंडिया अभियान का उद्देश्य सरकारी विभागों को देश की जनता से जोड़ना है तथा यह सुनिश्चित करना है कि पेपरलैस मोड में सरकारी सेवाएं इलेक्ट्रोनिक रूप से बिना किसी असुविधा के कम से कम समय में लोगों को मिलें। इसी दिशा में राज्य सरकार परिवार पहचान पत्र बनाकर पारदर्शी तरीके से योजनाओं का लाभ प्रदान कर रही है।

सर्विस डिलीवरी की सरकारः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि उनकी सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन से सुशासन के संकल्प के साथ वर्ष 2014 में जनसेवा का दायित्व संभाला था। सर्विस डिलीवरी के माध्यम से हरियाणा सरकार ने प्रदेश में हैप्पीनेस इंडेक्स को ऊंचा उठाया है। हैप्पीनेस के मापदण्डों में सुशासन सर्वोपरि है और सुशासन उत्तम सर्विस डिलीवरी के माध्यम से ही सुनिश्चित किया जा सकता है। जनता की सेवा के इसी भाव के चलते राज्य सरकार को सर्विस डिलीवरी की सरकार कहा जाता है।

बुजुर्गों को घर बैठे मिली पेंशन

प्रदेश में यदि कोई व्यक्ति वृद्धावस्था पेंशन के लिए निर्धारित आयु पूरी कर लेता है, तो उसे अपनी पेंशन बनवाने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। परिवार पहचान पत्र के माध्यम से उसकी पेंशन अपने आप शुरू हो जाती है। इसके माध्यम से 64 हजार से अधिक बुजुर्गों को घर बैठे पेंशन देने का काम किया है।

आयुष्मान चिरायु योजना

परिवार पहचान पत्र के डेटा का उपयोग कर प्रदेश के अंत्योदय परिवारों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए आयुष्मान चिरायु योजना के तहत लगभग 75 लाख चिरायु कार्ड बनाए जा चुके हैं। प्रदेश सरकार ने अंत्योदय परिवारों की स्वास्थ्य जांच के लिए निरोगी हरियाणा योजना भी शुरू की थी। इस योजना के तहत परिवार पहचान पत्र के डेटा का उपयोग करके पिछले लगभग 5 माह में 9 लाख 36 हजार गरीबों के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा लगभग 62 लाख लैब टैस्ट किये गये हैं। लगभग 32 लाख परिवारों को घर बैठे आटोमैटिक ढंग से एक बी.पी.एल. कार्ड निःशुल्क बनाए गए हैं।

नागरिकों की देखभाल की जिम्मेदारी

परिवार पहचान पत्र डाटाबेस में उपलब्ध डेटा का उपयोग करते हुए राज्य सरकार ने विशिष्ट विभागों को नागरिकों की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी है। 6 वर्ष तक के आयु समूह को महिला एवं बाल विकास विभाग को सौंपा गया है, ताकि हर जरूरतमंद बच्चे की देखभाल की जा सके, भले ही बच्चा वर्तमान में आंगनवाड़ी केंद्र में जा रहा हो या नहीं। 6 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष तक के आयु समूह को स्कूल शिक्षा विभाग को सौंपा गया है, ताकि विभाग यह सुनिश्चित करे कि कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे।

इसी प्रकार 18 वर्ष से अधिक और 25 वर्ष तक के आयु समूह को उच्च शिक्षा विभाग को सौंपा है। ताकि उन्हें उच्च शिक्षा और कौशल विकास के अवसर मिलें। 25 वर्ष से 40 वर्ष तक के आयु वर्ग को युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग को सौंपा गया है ताकि इस आयु वर्ग के लिए कौशल, उद्यमिता एवं रोजगार सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा, 40 से 60 वर्ष तक की आयु वर्ग की देखभाल राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा की जाएगी और 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों की देखभाल सेवा विभाग द्वारा की जाएगी।

नीति आयोग की बैठक

विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभा रहा हरियाणा

वर्ष 2024 तक देश को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के प्रयास जारी हैं। केंद्र सरकार के इस लक्ष्य को हासिल करने में हरियाणा अहम भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र निरंतर सशक्त हो रहा है, उनके सपनों को साकार करने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की विधायी परिषद की आठवीं बैठक में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्य योजनाओं की जानकारी दी।

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार पिछले साढ़े आठ वर्षों से केंद्र की योजनाओं को लागू कर रही है और अन्य नई योजनाएं बनाकर हर वर्ग का कल्याण सुनिश्चित किया जा रहा है। लोगों को सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों का लाभ घर द्वार पर ही देने के लिए राज्य सरकार ने परिवार पहचान पत्र कार्य म चलाया है। इससे जनसाधारण के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

पीपीपी के माध्यम से 44 हजार से अधिक बुजुर्गों को घर बैठे 'वृद्धावस्था सम्मान भत्ता' का लाभ देने में सफल हुए हैं। इसके आलावा, 81 हजार दिव्यांगजनों को भी घर बैठे पेंशन प्रदान की गई है। 'आयुष्मान चिरायु योजना' के तहत लगभग 75 लाख चिरायु कार्ड बनाए जा चुके हैं। पात्र 32 लाख से अधिक बी.पी.एल. परिवारों के घर बैठे ऑनलाइन ऑटोमेटिक ढंग से राशन कार्ड बनाए गए हैं।

हरियाणा सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए उन्हें पंचायती राज संस्थाओं में 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व दिया है। महिलाओं को अपना उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इनमें 7 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी दी जाती है। छात्राओं के लिए शिक्षा ऋण योजना के तहत देश और विदेश में उच्च शिक्षा के ऋण पर पांच प्रतिशत साधारण ब्याज की सब्सिडी दी जाती है। मिशन शक्ति के तहत महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारिता के लिए व्यापक योजनाएं लागू की गई है। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के फलस्वरूप जन्म के समय लिंगानुपात की दर वर्ष 2014 के 871 से सुधरकर मार्च, 2023 में 927 हो गई है।

हरियाणा देश का पहला राज्य है, जिसके सभी गांव पक्की सड़कों से जुड़े हैं। राज्य के पास 50,000 कि.मी. से अधिक लंबी सड़कों का विशाल नेटवर्क है। मुख्यमंत्री ने राज्य को 17 राष्ट्रीय राजमार्ग का तोहफ़ा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट किया।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उत्कृष्ट योगदान देने वाले वैज्ञानिकों से वर्ष 2023 के लिए विज्ञान रत्न पुरस्कार व युवा विज्ञान रत्न पुरस्कारों के लिए 31 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

प्रॉपर्टी टैक्स की राशि 31 जुलाई तक जमा कराने पर ब्याज राशि में 30 प्रतिशत छूट देने का निर्णय लिया गया है। पहले सरकार की ओर से ब्याज छूट में दस प्रतिशत थी।

ा से बदल रही तस्वीर

श्रमिकों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं

श्रमिक योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए अंत्योदय सरल केंद्रों से पंजीकरण करवाएं

किसी भी देश के आर्थिक विकास में श्रम की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। भूमि, पूंजी, उद्यमिता तथा श्रम ऐसे चार आधार स्तंभ हैं, जिन पर हर देश की अर्थव्यवस्था का निर्माण होता है। इनमें से चौथा स्तंभ श्रम सबसे महत्वपूर्ण है। हमारी संस्कृति में तो श्रमिकों के प्रति सदा से ही आदर का भाव रहा है। इसीलिए श्रमिकों को महान शिल्पी विश्वकर्मा की संज्ञा दी गई है। दिल्ली में देश को मिली एक नई सौगात नई संसद में श्रमिकों की भूमिका भी सराहनीय रही है। हाल ही में प्रधानमंत्री

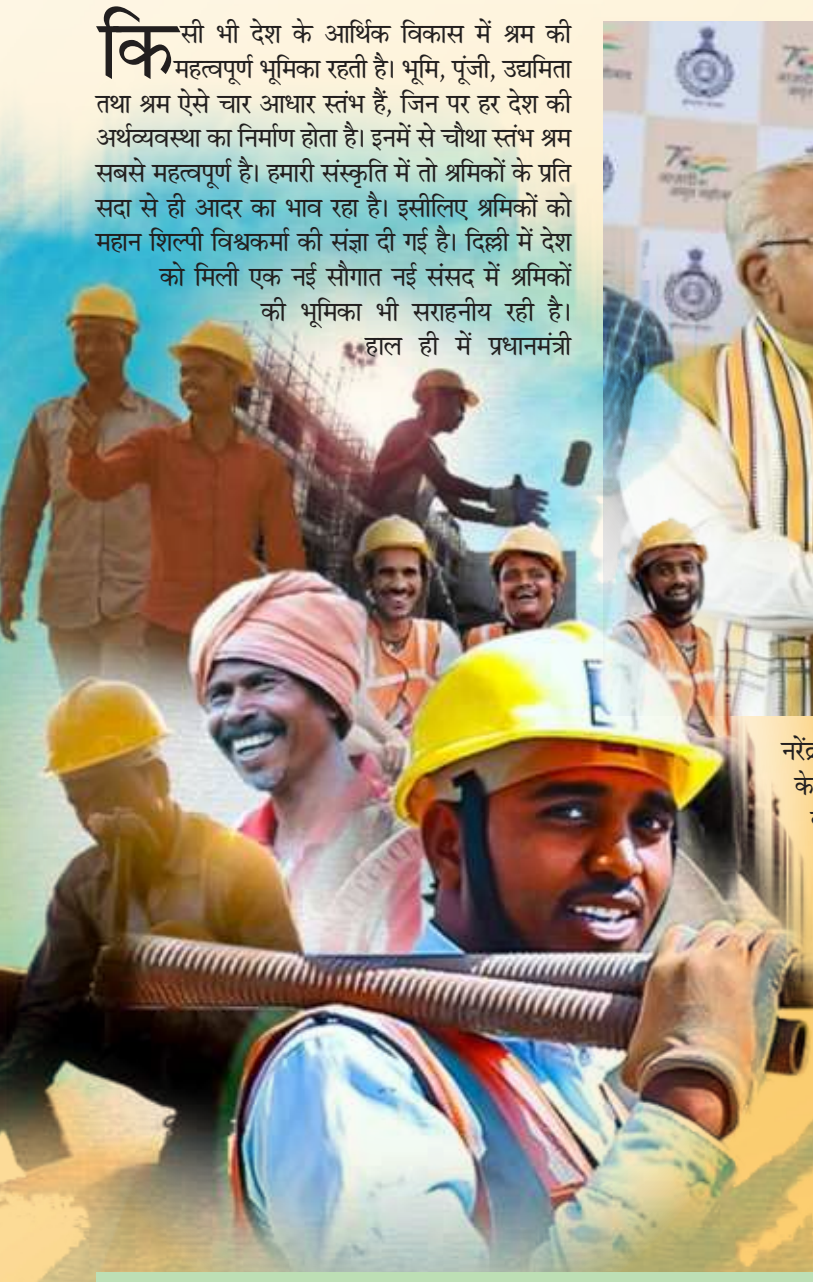

नरेंद्र मोदी ने वैदिक विधि विधान के साथ संसद भवन का उद्घाटन कर देशवासियों को गौरवान्वित किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने संसद भवन के निर्माण में श्रमिकों के योगदान को महत्व देते हुए श्रमिकों को सम्मानित भी किया।

प्रधानमंत्री के इसी मार्गदर्शन पर चलते हुए हरियाणा सरकार भी श्रमिकों को पूरा सम्मान दे रही है। इसी दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड द्वारा श्रमिकों के बच्चों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति की राशि को बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कक्षा 9वीं से 10वीं तक मिलने वाली 7,000 रुपए की राशि, कक्षा 11वीं से 12वीं तक 7,750 रुपए तथा उच्च शिक्षा के लिए 8,500 रुपए की राशि को बढ़ाकर तीनों श्रेणियों में बढ़ाकर 10,000 रुपए कर दिया है।

- 'प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना' के तहत 8 लाख 19 हजार 564 लाभर्थियों का पंजीकरण।
- पहली कक्षा से स्नातकोत्तर तक 20 हजार रुपए वार्षिक तक की आर्थिक सहायता।
- तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा के विद्यार्थियों के छात्रावास का खर्च 1 लाख 20 हजार रुपए वार्षिक तक सरकार वहन करेगी।
- व्यावसायिक कोर्सों में प्रवेश परीक्षाओं की कोचिंग के लिए 20 हजार रुपए तक खर्च।
- यूपीएससी एवं एचपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी हेतु 1 लाख रुपए तक की मदद।
- अक्षम व दिव्यांग बच्चों की सहायता राशि 2,500 रुपए से बढ़ाकर 3,000 रुपए मासिक।
- कन्यादान योजना के तहत तीन बेटियों की शादी तक हर शादी में 51,000 रुपए का कन्यादान तथा 50,000 रुपए शादी प्रबंध का खर्च।
- बेटे व स्वयं की शादी पर भी 21,000 रुपए की शगुन राशि दी जाती है।
- कार्यस्थल पर दुर्घटना होने पर श्रम कल्याण बोर्ड द्वारा तुरंत 1 लाख 50 हजार रुपए तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।
- काम के दौरान दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा श्रमिक के परिवार को 5 लाख रुपए की मदद का प्रावधान।
- भवन निर्माण और उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों के फेफड़े सिलीकोसिस की विकट बीमारी से प्रभावित श्रमिक के पुनर्वास हेतु 5 लाख रुपए की वित्तीय सहायता।
- 'श्रम पुरस्कार योजना' के तहत श्रमिकों को 51,000 रुपए से लेकर 2 लाख रुपए तक की राशि के पुरस्कार।

> "हरियाणा विकास में निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसका श्रेय प्रदेश के मेहनतकश श्रमिकों को भी जाता है। प्रदेश सरकार श्रम शक्ति के कल्याण, उत्थान और खुशहाली के लिये प्रतिबद्ध है। श्रमिकों के कल्याण व उत्थान के लिए जो योजनाएं चलाई गई हैं उन्हें पूरी शिद्दत के लागू किया जा रहा है।
>
> **- मनोहर लाल, मुख्यमंत्री, हरियाणा**

जन संवाद पोर्टल की शिकायतों का समाधान

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि राज्य सरकार के लिए नागरिकों की समस्याओं व मांगों का समाधान सुनिश्चित करना पहली प्राथमिकता है। जन संवाद पोर्टल, नगर दर्शन, ग्राम दर्शन पोर्टल और सीएम विंडो शुरू करने के पीछे एकमात्र उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे नागरिकों की आवाज सरकार तक सीधे पहुंचे। इसलिए अधिकारी समयबद्ध तरीके से लोगों की शिकायतों पर समुचित कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री ने सभी प्रशासनिक सचिवों को निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी प्रतिदिन जन संवाद पोर्टल को चेक करें और समीक्षा करें कि उनके विभागों में दर्ज कितनी शिकायतों का निराकरण किया गया है।

उन्होंने कहा कि जन सामान्य पहले अपने लिखित प्रतिवेदन की कई-कई कॉपी जन प्रतिनिधियों को देते थे, लेकिन कभी उनके प्रतिवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई और उनके कागज व दस्तावेज गुम हो जाते थे। इसी परेशानी को समझते हुए सरकार ने जन संवाद पोर्टल बनाया है। इस पोर्टल पर लोगों के लिखित प्रतिवेदन की

जानकारी दर्ज की जाती है और संबंधित विभागों को आगामी कार्रवाई के लिए भेज दी जाती है।

मनोहर लाल ने कहा कि इस पोर्टल पर शिकायत व मांग दर्ज होते ही संबंधित नागरिक को उसकी सूचना एसएमएस के माध्यम से चली जाती है। इसके बाद संबंधित विभाग और अधिकारी द्वारा की जा रही आगामी कार्रवाई की सूचना भी एसएमएस के द्वारा नागरिकों को भेजी जाती है।

मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. अमित अग्रवाल ने बताया कि अब तक पोर्टल पर 8093 शिकायतें अभवा मांगें दर्ज की जा चुकी हैं। इनमें से 6642 को विभिन्न विभागों को आगामी कार्रवाई को भेजा जा चुका है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किसानों को मार्च व अप्रैल में हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण रबी की फसल के नुकसान के लिए 181 करोड़ रुपए की मुआवज़ा राशि जारी की है।

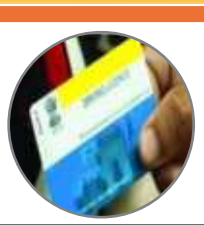

हरियाणा परिवहन विभाग ने नागरिकों को ऑनलाइन माध्यम से ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन रजिस्ट्रेशन की सुविधाएं उपलब्ध करवाने की पहल की है। अब तक 47,802 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

जल संरक्षण के लिए नहरों का जीर्णोद्धार

प्रधानमंत्री कहते हैं कि भारत का विकास और आत्मनिर्भरता जल सुरक्षा और जल कनेक्टिविटी पर निर्भर है। हरियाणा सरकार ने प्रधानमंत्री के जल संरक्षण के सपने को साकार करने के लिए कई कदम उठाए हैं। वर्ष 2025 तक 50 प्रतिशत उपचारित जल का उपयोग करने के उद्देश्य से 'हरियाणा उपचारित अपशिष्ट जल नीति' बनाई गई है। जल संरक्षण और फसल विविधिकरण को प्रोत्साहित करने के लिए 'मेरा पानी-मेरी विरासत' योजना शुरू की गई है और धान की सीधी बिजाई को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अलावा, प्रदेश सरकार नहर नेटवर्क का आधुनिकीकरण कर रही है, ताकि पानी का रिसाव कम हो।

वर्ष 2021 में राज्य की कुल पानी की मांग 34,962.76 मिलियन क्यूबिक मीटर आंकी गई है, जबकि सभी संसाधनों से कुल जल की उपलब्धता 20,935,98 मिलियन क्यूबिक मीटर है। इसी लिए पानी की मांग और उपलब्धता के गैप को कम करने के लिए हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण द्वारा एक 'एकीकृत जल योजना' तैयार की गई है। इसके तहत सभी 22 जिला स्तरीय जल संसाधन योजना समितियों ने निचले स्तर पर ब्लॉक स्तरीय योजना तैयार की है। यह प्रयास भारत में अपनी तरह का पहला प्रयास है, जहां जमीनी स्तर पर सतही और भूजल की ब्लॉक स्तरीय जल संसाधन उपलब्धता का आकलन किया गया है और पानी की मांग और आपूर्ति के अंतर को व्यवस्थित और वैज्ञानिक रूप से आंका गया है।

पानी की बचत का लक्ष्यः सरकार ने 26 व 27 अप्रैल, 2023 को 'अमृत जल क्रांति' थीम पर दो दिवसीय वाटर कॉन्क्लेव आयोजित की थी। इसका मुख्य उद्देश्य सभी संबंधित विभागों द्वारा अगले दो वर्षों में जल अंतर को कम करने के लिए एक मासिक कार्य योजना पर विचार - विमर्श करना था।

योजना के अनुसार अगले दो वर्षों में पानी की बचत करके पानी की मांग व आपूर्ति के अंतर को लगभग 49 प्रतिशत तक कम करना है।

सिंचाई परियोजनाओं पर विशेष ध्यानः मेवात फीडर नहर व गुरुग्राम जलापूर्ति चैनल को पाइपलाइन प्रणाली में बदलना प्रस्तावित है। साथ ही, सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि कम पानी से अधिकतम सिंचाई हो सके। इस दिशा में किसानों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करने के लिए पोर्टल बनाया गया है। इस पर लगभग 50 हजार किसानों ने पंजीकरण कराया है।

वाटर टैंक पॉलिसीः इसी प्रकार सूक्ष्म सिंचाई के लिए ऑनफार्म वाटर टैंक पॉलिसी बनाई गई है। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किये गये अमृत सरोवर मिशन के तहत प्रदेश में 1,312 तालाबों का काम पूरा हो चुका है और 981 तालाबों पर काम जारी है।

- संवाद ब्यूरो

चीनी मिलों में 690 केएलपी ऍथनोल उत्पादन का लक्ष्य

चीनी मिलों को घाटे से उबारने के लिए बगास व खोई की बिक्री के अलावा अन्य लाभप्रद उत्पाद बढाने पर बल दिया जा रहा है। इसके अलावा चीनी मिलों में 690 केएलपी ऍथनोल बनाने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है।

इस बार चीनी मिलों में अच्छी रिकवरी हुई है। इनमें शाहबाद, जीन्द, सोनीपत अव्वल रहने वाली चीनी मिल है। इसके अलावा पानीपत, महम, रोहतक तथा असंध चीनी मिलों की रिकवरी के लिए अधिकारी विजिट कर रिपोर्ट मुख्यालय सौपें। उन्होंने कहा कि महम चीनी मिल में फतेहाबाद का गन्ना आने के कारण अभी पिराई का कार्य चालू है तथा शेष चीनी मिलो में कार्य बंद हो गया है।

रिकॉर्ड चीनी का उत्पादन

इस वर्ष चीनी मिलो ने 456.72 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई करके 43.73 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया है जो कि गत वर्ष की तुलना में 14.8 6 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा 3.79 प्रतिशत चीनी का अधिक उत्पादन हुआ है। उन्होंने कहा कि चीनी मिलों का रिकवरी रेट 9.77 प्रतिशत रहा जबकि लक्ष्य 10 प्रतिशत रखा गया था।

इस वर्ष 1696.97 करोड़ रुपए का गन्ना किसानों से खरीदा गया जिसमें से 1335.06 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया गया हैं। केवल 311.32 करोड़ रुपए की राशि गन्ने की बकाया है जिसे 30 जून तक भुगतान कर दिया जाएगा। इसमें 20.70 करोड़ रुपए की सब्सिडी शामिल है।

एथेनोल प्लांटः

शाहबाद में 60 केएलपी एथनौल प्लांट लगाया गया है जिसमें इस वर्ष 50 केएलपी से अधिक उत्पादन कर लिया गया। इसके अलावा पानीपत में भी ऍथनॉल प्लांट लगाने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

हैफेड का मुनाफाः

हैफेड में वर्ष 2021-22 के दौरान 1700 करोड़ रुपए का टर्न ओवर करके 207 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया हैं। इसमें 20 हजार एमटी चावल का निर्यात भी शामिल है। हैफेड को इस वर्ष भी 65 हजार एम टी चावल के निर्यात का भी ऑर्डर मिला है।

साझा डेरी योजना

सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि सरकार ने साझा डेरी योजना लागू की है। इस योजना के तहत भूमिहीन पशुपालकों को गांवों में दुग्ध उत्पादन करने के लिए शैड बनाकर दिए जाएगें। इनमें पशु चारा एवं पशु चिकित्सक की भी सुविधा उपलब्ध होगी। कैथल, कुरूक्षेत्र, जींद, भिवानी सहित 5 स्थानों पर यह योजना क्रियान्वित की जा चुकी है। इस योजना से पशुपालक पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनेंगे।

इसके अलावा अम्बाला में मिल्क प्लांट को शिफ्ट किया जा रहा है तथा अम्बाला व सिरसा में मिल्क चिलिंग सेंटर भी बनाए जा रहे है।

महोगनीः बहुउपयोगी व आमदनी वाला पेड़

महोगनी एक प्रमुख वन्य पौधा है जो अपनी सुंदरता और उपयोगी लकड़ी के लिए प्रसिद्ध है। यह पौधा मुख्य रूप से तापीय क्षेत्रों में पाया जाता है और इसका वृक्ष काफ़ी ऊंचा और छायादार होता है। महोगनी का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में लकड़ी, निर्माण, फर्नीचर, चित्रकला और वैज्ञानिक अध्ययन में किया जाता है। महोगनी की लकड़ी को विलेयक्स के रूप में भी उपयोग किया जाता है। इसकी लकड़ी संगठित ध्वनि और मधुर आवाज़ का संचार करती है और इसलिए म्यूजिकल आधारभूत उपकरणों जैसे गिटार, टैंबूरिन, ढोलक और पियानो के निर्माण में उपयोगी होती है। भारतीय, अमेरिकन व अफ्रीकी महोगनी इसकी प्रकार हैं।

महोगनी पौधों को उगाने का समयः

हरियाणा राज्य में महोगनी पौधों को जुलाई से सितंबर के बीच के महीनों में उगाना सुझावित होता है। इस समय भूमि की तापमान और मौसम की स्थिति प्राकृतिक रूप से उचित होती है, जिससे पौधों को अच्छी प्रकृति मिलती है और उनका विकास अच्छी तरह से होता है। महोगनी पेड़ों के लिए उचित मिट्टी आवश्यक होती है जो कि उनकी वृद्धि और प्रगति के लिए आदर्श होती है।

रेड लोम मिट्टी की पानी द्रवता और मूर्तिमान गुणवत्ता होती है जो महोगनी की सही विकास और पोषण के लिए महत्वपूर्ण है। लोमी मिट्टी उच्च आपोषण योग्यता वाली होती है और अच्छी द्रवता प्रदान करती है जिससे पेड़ों को प्रभावी रूप से पोषण मिलता है। लोमी-मृदा मिट्टी भी महोगनी के लिए अनुकूल होती है।

बीज की तैयारी :

सबसे पहले, उच्च गुणवत्ता वाले और स्थिर बीज प्राप्त करें। यदि संभव हो तो आप प्राकृतिक तरीके से बीज प्राप्त कर सकते हैं या फिर किसी पेड़-बागान से यहां से यहां खरीद सकते हैं।

बीजों को ठंडे पानी में 24 घंटे तक भिगोने रखें। महोगनी के पौधे को एक सुनहरी और वातावरणीय जगह चुनें जहां धूप की पूर्ति और प्राकृतिक प्रकाश मिल सके। महोगनी ज़्यादातर प्रकाश प्रिय होती है और उच्च उपजाऊ मिट्टी को पसंद करती है। भूमि को ऊपर से सुंदरता और निर्मलता से ढकें और बीजों को एक गहराई में बोएं। ध्यान दें कि आप बीजों को ज़्यादा गहराई में ना बोएं।

समय और धैर्य रखेंः

महोगनी पौधे धीरे-धीरे विकसित होते हैं, इसलिए उन्हें धैर्यपूर्वक देखभाल करें। सिंचाई, खाद सम्पोषण, और नियमित कटाई प्रक्रिया से देखभाल करें।

प्राकृतिक शत्रुओं से सावधान रहेंः

महोगनी पौधों को रखवाली करते समय उन्हें कीटाणुओं और बीमारियों से बचाने के लिए पौधों की सेहत की निगरानी करें। प्राकृतिक उपाय और उचित कीटनाशकों का उपयोग करें।

महोगनी पौधों की स्रोत

हरियाणा राज्य में कई वन्यजीव अभयारण्य हैं जहां आप महोगनी पौधे प्राप्त कर सकते हैं। यहां के वन्यजीव अभयारण्यों में महोगनी पौधे के वृक्ष प्रचुरता से पाए जाते हैं।

वृक्षारोपण केंद्र :

हरियाणा राज्य सरकार ने कई वृक्षारोपण केंद्र स्थापित किए हैं जहां आप महोगनी पौधे खरीद सकते हैं। ये केंद्र नर्सरी के रूप में कार्य करते हैं और उच्च गुणवत्ता वाले महोगनी पौधे प्रदान करते हैं।

कृषि उद्यानः

हरियाणा में कई कृषि उद्यान हैं जहां आप महोगनी पौधे प्राप्त कर सकते हैं। ये कृषि उद्यान अक्सर वृक्षारोपण कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं और महोगनी पौधों को उगाने के लिए सहायता प्रदान करते हैं। विभिन्न नर्सरी और पेड़ बागान हैं जहां आप महोगनी पौधे प्राप्त कर सकते हैं। ये संगठन और संस्थाएं उच्च गुणवत्ता वाले महोगनी पौधे प्रदान करती हैं और आपकी उगाई हुई महोगनी पौधों की देखभाल करती हैं।

» प्राथमिकता के आधार पर, महोगनी पौधों की सटीक संख्या का निर्धारण करें। यह सम्पूर्ण भूमि के आधार पर और आपके खेती के उद्देश्यों पर निर्भर करेगा।

» महोगनी के पौधों की उचित स्पेसिंग के लिए आमतौर पर 3 मीटर 3 X 3 मीटर (10 फुट 3 X10 फुट) का अंतराल बनाए रखें। यह स्पेसिंग पौधों के बीच की दूरी के लिए आमतौर पर अनुशंसित होती है और प्रदर्शन में बेहतरीन परिणाम प्रदान करती है।

» महोगनी के अन्य लाभ प्राप्त करने के लिए, आप 5X4 मीटर के इंटरवल पर भी लगा सकते हैं। जिससे आप अपने खेती के लाभ में सुधार कर सकते हैं। 5X4 मीटर का अंतराल रखने से आपको कम समय में अधिक पौधे उगाने की संभावना होगी और पौधों के बीच में प्रकृति और सूर्य के प्रभाव का समान वितरण होगा। इससे पौधों की विकास और वृद्धि में सुधार होगा।

» स्पेसिंग के दौरान, उद्देश्यों के अनुसार पौधों के बीच दूसरी फसलों की स्थापना का भी ध्यान रखें। इससे आप खेती की उत्पादकता को बढ़ा सकते हैं और खेती के अन्य लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं।

उर्वरकों की मात्रा व अन्य जानकारी के लिए संबंधित कृषि विज्ञान केंद्र व विभागी वैज्ञानिकों से संपर्क किया जा सकता है।

अनिल कुमार, संदीप रावल (कृषि विज्ञान केंद्र, दामला, यमुनानगर), ममता खेपड़, मोनिका जांगड़ा (पीएचडी शोध छात्रा वानिकी विभाग) प्रीति वर्मा (पीएचडी शोध छात्रा पौध रोग विभाग) चौ.च.सिंह ह.कृ.वि.वि हिसार

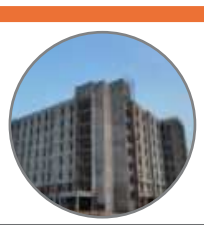

महेंद्रगढ़ के कोरियावास में बन रहे मेडिकल कॉलेज से जिले के साथ-साथ राजस्थान के साथ लगने वाले गांवों के लिए भी बहुत बड़ी सौगात होगी। अगले साल इसका कार्य पूरा हो जाएगा।

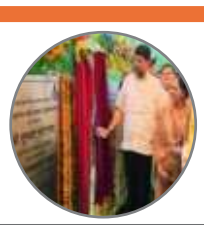

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने नारनौल क्षेत्र को 12.20 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने नसीबपुर में विभिन्न सड़क मार्गों का सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया।

जल संरक्षण

मील का पत्थर साबित होगा जल संसाधन एक्शन प्लान

पानी बचाना होगा, हर हाल में बचाना होगा। इस संकल्प को पूरा करने के लिए हरियाणा सरकार ने कमर कस ली है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस दिशा में अपने भागीरथी प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए द्विवार्षिक एकीकृत जल संसाधन कार्य योजना (2023-25) का शुभारंभ किया है।

जल संरक्षण को लेकर अप्रैल माह में भी दो दिवसीय जल सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें प्रशासनिक सचिवों और विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया था। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य गिरते भूजल स्तर के मद्देनजर एक एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन रणनीति और दृष्टिकोण पर चर्चा करना था। विभागों ने जिला समितियों, विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के इनपुट के आधार पर मांग और आपूर्ति की योजना प्रस्तुत की, परिणामस्वरूप आज की कार्य योजना तैयार की गई।

विभागीय स्तर पर यूं रहेंगे प्रयास

पानी की अधिकतम मात्रा का उपयोग कृषि और बागवानी क्षेत्र में किया जाता है, जो क्रमशः 86 प्रतिशत और 5 प्रतिशत है। जल संरक्षण तरीकों को अपनाकर पानी की खपत को कम करने के लिए लगातार प्रयासों की आवश्यकता है। कृषि विभाग ने कार्य योजना में विभिन्न उपायों को शामिल किया है। इसके अनुसार, फसल विविधिकरण के तहत 3.14 लाख एकड़ क्षेत्र को कवर किया जाएगा, जिससे 1.05 लाख करोड़ लीटर (7.6 प्रतिशत) पानी की बचत होगी। 4.75 लाख एकड़ में धान की सीधी बिजाई करने से 0.51 लाख करोड़ लीटर (3.7 प्रतिशत) संरक्षण जुताई के तहत 27.53 लाख एकड़ के माध्यम से 1.18 लाख करोड़ लीटर (8.4 प्रतिशत) पानी की बचत होगी। 3.49 लाख एकड़ में उच्च किस्मों के प्रयोग से 0.47 लाख करोड़ लीटर (3.4 प्रतिशत), 9.73 लाख एकड़ में हरी खाद के उपयोग से 0.35 लाख करोड़ लीटर (2.5 प्रतिशत) पानी, प्राकृतिक खेती के तहत 0.43 लाख एकड़ को कवर करके 0.27 लाख करोड़ लीटर (1.9 प्रतिशत) पानी की बचत करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी प्रकार, सिंचाई विभाग (मिकाडा सहित), जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, पंचायत विभाग, तालाब प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, शहरी स्थानीय निकाय, वन, शिक्षा इत्यादि विभागों ने भी जल संसाधन के उपाय बताए हैं।

रिड्यूस, रिसाइकिल और रियूज पर देना होगा ध्यान

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम जल प्रबंधन और संरक्षण की ओर बढ़ते हैं तो रिड्यूस, रिसाइकिल और रियूज पर हमें फोकस करना होगा। पानी का पुनः उपयोग करके फ्रेश वॉटर पर निर्भरता को कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि फसल विविधिकरण के लिए मेरा पानी मेरी विरासत योजना जैसी नई पहल की है। उन्होंने राज्य के किसानों का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने 1.5 लाख एकड़ भूमि पर धान के स्थान पर अन्य फसलों की खेती की। इसके अलावा, अब किसान धान की सीधी बिजाई पद्धति की ओर भी बढ़ रहे हैं, जिससे पानी की बचत होगी।

बांधों से भी होगी जलापूर्ति

पानी के नियमन को सुनिश्चित करने के लिए रेणुका, लखवाड़ और किशाऊ बांध बनाए जा रहे हैं। इन बांधों के बनने से निश्चित तौर पर राज्य की पानी की जरूरतें पूरी होंगी। सीएम ने कहा पानी के छोटे स्रोतों के उपयोग का पता लगाने के लिए भी योजनाएं बनाई जा रही हैं। स्थानीय उपयोग के लिए इस पानी का उपयोग कैसे किया जा सकता है, यह सुनिश्चित करने के लिए बांध बनाए जाएंगे और योजनाएं तैयार की जाएंगी।

एसवाईएल पर फैसले का इंतजार

मुख्यमंत्री ने कहा कि एसवाईएल हरियाणा और पंजाब के लिए अहम मुद्दा है । उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के हक में फैसला दिया हुआ है। उम्मीद है यह मुद्दा जल्द सुलझ जाएगा। एसवाईएल का निर्माण हमारे हाथ में नहीं है, इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का इंतजार है।

फिलहाल दिल्ली को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक हरियाणा सरकार 250 क्यूसेक पानी दे रही है।

-संवाद ब्यूरो

पहाड़ों की हीलिंग कर रहे प्रदीप सांगवान

'सतयुग' प्रोजेक्ट से हरियाणा में स्वच्छता की मुहिम

संगीता शर्मा

नदी, पहाड़, व ऊंची-ऊंची हसीन वादियां हमें सुकून देती है। यहां घूमकर हम तनाव भरी ज़िंदगी से राहत पाते हैं। गर्मियां शुरू होती ही सैलानी पहाड़ों की ओर खींचे चले आते हैं। इन पहाड़ों को हमें पानी व कोल्ड ड्रिंक्स की बोतलों व खाने के रेपर ईधर-उधर फेंककर बदसूरत नहीं करना चाहिए, बल्कि हर व्यक्ति को इनकी सुंदरता को बरकरार रखने में अपना योगदान देना चाहिए। इसी मकसद से हरियाणा के हीलिंग हिमालय फाउंडेशन के संस्थापक और प्रमोटर प्रदीप सांगवान व उनकी टीम हिमालय के पहाड़ों की स्वच्छता के प्रति लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। इसके साथ ही वह चरखी दादरी स्थित गांव झोझू कलां में कचरा संग्रह केंद्र बनाने का कार्य में जुट गए हैं। 'मन की बात' कार्यक्रम के 100वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदीप सांगवान से बात करके उनकी हौसला अफजाई की थी।

पंचायतों से मिलेगा सहयोगः 'हीलिंग हिमालय अभियान' के प्रदीप सांगवान का कहना है कि आज भी लोग कचरा प्रबंधन के कार्य से जुटने में शर्म महसूस करते हैं और लोग उसे अच्छा कार्य नहीं मानते। कचरा प्रबंधन की शुरुआत हमें अपने घर से ही करनी चाहिए, तभी हम दूसरों को भी इस बारे में शिक्षित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पहाड़ों के साथ-साथ वह 'सतयुग' नाम से झोझू कलां गांव में कचरा संग्रह केंद्र के लिए कार्य कर रहे हैं और यह अभी प्राथमिक स्तर पर है। गाड़ियों के माध्यम से डोर टू डोर जाकर उनके वॉलियंटर कचरा एकत्रित करते हैं। इसके लिए हमने 13 कलस्टर बनाए हैं। इसमें स्थानीय लोगों व पंचायतों का भी शामिल कर रहे हैं, ताकि उनका कार्य सफलपूर्वक चल सकें। वह कहते हैं कि पंचायती राज संस्थाएं उनके साथ जुड़कर अच्छा कार्य कर सकती हैं। हम कृषि वानिकी के माध्यम से मिट्टी की जैव विविधता और कार्बन पृथक्करण को बढ़ावा देने के साथ-साथ वन क्षेत्रों के बाहर हरित आवरण का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। प्रदीप का कहना है कि कचरा प्रबंधन से न केवल हम अपने पर्यावरण को बचाते हैं, बल्कि यह आय का साधन का भी अच्छा स्रोत है।

मन की बात से बदली ज़िंदगी

प्रदीप सांगवान ने बताया कि शुरुआत में काफी नर्वस था पहले इस बात को लेकर डर था कि जो काम करने का बीड़ा उठा रहे हैं उसे पूरा कर पाएंगे या नहीं। आरंभ में लोगों का स्पोर्ट भी कम मिल रहा था। वर्ष 2020 तक हम काफ़ी संघर्ष कर रहे थे और लोग हमारी मुहिम को तवज्जो नहीं दे रहे थे। जब वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में उनके अभियान का ज़िक्र किया तो बहुत सारी चीजें बदल गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करना बहुत ही भावनात्मक पल था और मेरा सौभाग्य है कि मेरे कार्य की बदौलत यह मौका मुझे मिला।

पहाड़ों में स्वच्छता अभियान

उन्होंने बताया कि पहाड़ों में ट्रेकिंग का बहुत शौक है और 2016 में हीलिंग हिमालय फाउंडेशन के संस्थापक व प्रचारक है। गैर सरकारी संस्था का गठन किया। प्लास्टिक को रिसाइकल करते हैं। वह व उनकी टीम हीलिंग हिमालय अभियान के तहत खीर गंगा, प्राशर लेक, हाम्पटा व सेथन गांव, मणीमहेश कैलाश, श्रीखंड महादेव, काजा, चिटकुल, शिमला, जाखू मंदिर, हडिंबा, ऋषिकेश और साउथ दिल्ली समेत अनेक पहाड़ों में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कचरा एकत्रित करके छटाई व रिसाइकिल करते हैं।

प्लास्टिक का विकल्प तलाशना होगा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शिमला में हीलिंग हिमालय संस्था की ओर से 'भारत में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन औ प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन' विषय पर हितधारकों की चर्चा का आयोजन किया गया। उनका कहना है कि हिमाचल सरकार प्लास्टिक का विकल्प तलाशने के लिए एक वर्ष के भीतर नीति तैयार करेगी। सरकार उद्योगों को प्लास्टिक के विकल्प के लिए प्रोत्साहित करेगी। सड़क निर्माण में प्लास्टिक के उपयोग पर बल दिया जाएगा।

केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में काम करने वाले श्रमिकों को दैनिक वेतन में बढ़ोतरी के तहत हरियाणा के मनरेगा श्रमिकों को अब 357 रुपए मिलेंगे।

ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट रेलवे कॉरिडोर के तहत यमुनानगर में तीन स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इन स्टेशनों से उद्योगपतियों को कैसे लाभ मिले, इसके लिए यमुनानगर उपायुक्त द्वारा एक कमेटी बनाई जाएगी।

श्रीमाता मनसा देवी परिसर में बनेगी हनुमान वाटिका

काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर की तर्ज़ पर श्री माता मनसा देवी मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा। सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, रुड़की द्वारा इसका खाका तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और सीबीआरआई के प्रतिनिधियों को श्री माता मनसा देवी श्राइन स्थल, पंचकूला के जीर्णोद्धार और मास्टर प्लान के त्वरित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि जल्द से जल्द श्री माता मनसा देवी मंदिर और श्राइन स्थल को भव्य रूप प्रदान किया जा सके।

मुख्य मंदिर तक पहुंचने की यात्रा के लिए शक्ति द्वार से शुरुआत होगी। यहां से मुख्य मंदिर तक शक्ति कॉरिडोर बनाया जाएगा और इस मार्ग का नाम शक्ति पथ रखा जाएगा। शक्ति पथ पर चलते हुए श्रद्धालु श्री माता मनसा देवी के मुख्य मंदिर पहुंचेंगे।

ड्राफ्ट प्लान में श्राइन स्थल पर भव्य हनुमान वाटिका भी बनाई जाएगी। यहां पर 108 फीट ऊंची भगवान हनुमान जी की मूर्ति (बैठी हुई मुद्रा में) भी बनेगी। जिसके दर्शन लगभग एक किलोमीटर दूरी यानी शक्ति द्वार से भी स्पष्ट रूप से हो सकेंगे।

इसके अलावा, प्लान में उपासना स्थल, नारायण सेवा स्थल, नित्य पार्क, त्रिकोना पार्क इत्यादि भी स्थापित किया जाएगा। श्रद्धालुओं और दर्शनार्थियों के लिए ओपन एयर थियेटर में लेजर शो शुरू करने का भी प्रस्ताव है। ड्राफ्ट प्लान में शक्ति चौक बनाने का प्रावधान किया गया है।

श्री माता मनसा देवी श्राइन स्थल के जीर्णोद्धार को चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य इस क्षेत्र में हेरिटेज टूरिजम को बढ़ावा देना है।

इसके अलावा, इस स्थल के एक हिस्से को व्यावसायिक हब के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां अलग से शॉपिंग कॉम्पलेक्स बनाया जाएगा। मल्टी लेवल पार्किंग और बस स्टॉप भी बनाया जाएगा। वाहनों और पैदल चलने वालों के लिए अलग रास्ते भी शामिल हैं। लाइट एंड साउंड शो के साथ एक ओपन एयर थिएटर भी बनाया जाएगा, जिसमें लगभग 500 लोगों की क्षमता होगी।

सुण छबीले बोल रसीले

योग करो, रोज करो

रमलू के बाबू, क्यों सारा दिन खाट नै तोड़े जाया करै। कुछ काम-धाम कर लिया कर।

- बसंती की मां के बताऊं, रोटी जीमे पाछै आंख लागे जा सैं। बता के काम करवावैगी?

- जै कुछ काम ना हो तो मनैं एक बै अस्पताल में दिखाल्या। रोज तड़के-तड़क घणी छींक आवैं सैं।

- आच्छा और बता?

- और के बताऊं, पहल्यां इसकी दवाई दिवा दी?

- भागवान, तूं तावली ए गेर बदल ले सै। छो मैं ना आया कर। सब कुछ आड़ै ए रहज्यागा। सुथरा खाणा, आच्छा बाणा और किसे की चुगली ना करणा यो म्हारी संस्कृति होणी चाहिए।

मेरे पूछण का मतलब यू सै अक इसै बीमारी खातर अस्पताल में चालणा सै अक कुछ और क्याएं की दवाई भी ल्याणी सै?

- और क्याएं की के मैरै पांसली में दर्द सै? इसै रोग की दवाई चाहिए। जै टैम पै इलाज ना कराया तो इसका नजला या दमा होज्यागा।

- हो ज्ञानी। तो बसंती की मम्मी, न्यू और बता दे अक अंग्रेजी लेवैगी या देसी?

- घणी बकवाद ना कर्‌या कर। किमे आगै-पाछै भी देख लिया कर।

- आच्छा, छबीला आण लागर्‌या सै। कोय बात ना मैं इतणै एक होक्का भरल्याऊं।

- मेरी बात तो तनै सुणी कोन्या। होक्का भरण चाल पड़्या।

- भागवान मेरे पूछण का मतलब यू सै अक अस्पताल में, अंग्रेजी यानी एलोपैथिक और देसी यानी आयुर्वेदिक, दोनों तरियां का इलाज मिलै सै। तनै कोणसी पद्धति तैं इलाज कराणा सै , न्यू बता दे।

- ऊत माणस, ब्याह नै बीस साल होगे तनै ईब ताहीं न्यू कोन्या बेरा अक मैरै कोणसी दवाई सूट करैगी?

- हरियाणा सरकार नै दवाइयां की मौज कर राखी सै। अंग्रेजी ले ल्यो, देसी ले ल्यो, सब मिलै सैं। इतणा ए नहीं अस्पताल में डाक्टर भी मिलैं सैं। ईब वो बात कोन्या रही अक 'डाक्टर ना दवाई, यू किसा पीजीआई'?

- चाल अस्पताल में जाकै पूछताछ कर लेंगे। मेरी सलाह तो यो सै अक इस रोग की दवाई आयुर्वेद में ठीक रहैगी। कदे अंग्रेजी दवाई की आदत पड़ज्या।

- रमलू की मां, आयुर्वेदिक उपचार भी करवा द्यूंगा, पर एक बात का ख्याल राखिये। उसमें परहेज जरूर राखणे पड़ैंगे। न्यू नहीं चालैगी ज्यूकर ईब चाल री सै। ले सै और गोल गप्पे मंगाण लागज्या सै।

- हां तो चाल। मैं एक बै सूट बदल आऊं। फेर चालैंगे।

- आज्या भाई छबीले, आज क्यूकर दुखी होर्‌या सै?

- दुखी कती कोन्या होर्‌या भाई। खेत में तैं ज्चार का भरोटा ल्याया सूं। मेहनत करे तैं पसीना लिकड़ै सै तो सारा गात हल्का होज्या सै। क्यां नै कोए रोग लोवै फटक लेगा।

- हां भाई, बात तो सही सै। एक बै आपणी भाभी नै भी समझाइये। कुछ मेहनत करै तो क्यां नै अस्पतालां के चक्कर काटणे पड़ैं। ईब न्यू कह री सै अक अस्पताल में तैं दवाई दिवा ल्या, छींक आवैं सैं। ले देख, वा आगी। बण-ठण कै आई सै, जाणूं मेले में जावैगी।

- भाभी राम राम, आज यो बिजली कितौड़ पड़ैगी?

- कितै ना पड़ै, एक बै अस्पताल ताहीं जाणा सै।

- हां भाभी जाओ-जाओ, मैं कतई भांजी कोन्या मारूं। पर यो कोई इतणी बडी बिमारी कोन्या अक अस्पताल में जाणा पड़ै। घरां ए काढ़े-वाढ़े बणाकै पी लिया करैं। होज्यागा आराम। रसीले भाई एक बात और, सरकारी अस्पतालां में दवाई भी छिकमा मिलैं सैं और डाक्टरी स्टाफ भी मिलै सै। पर बेरा ना के बात सै सरकारी अस्पतालां में कम मरीज जावैं सैं और प्राइवेटां कै घणे जावैं सैं। मनै लागै सै लोगां धोरै पीस्सै घणे होरे सैं।

- भाई छबीले सरकारी अस्पतालां में फ्री इलाज, फ्री टेस्ट और फ्री दवाई मिलैं सैं। यो आम बात सै अक फ्री का इलाज काम ना कर्‌या करता। इलाज भी ओए कारगर लागै सै जिसतैं परिवार आल्यां की गोज हल्की होती हो। मरीज फ्री की दवाई नै न्यूए मान ले सैं। वो असल में तो दवाई लेवै कोन्या, लेवैगा तो मन मारकै लेवैगा। जो दवाई मन मारकै ली जावैगी वो कम काम करैगी।

- भाभी, मेरी बात सुण, दवाई बेशक लिया। डाक्टर की सलाह लेणी भी चाहिए। पर जिस तरियां की दिनचर्या थामनै आपणी बणा राखी सै। वो ठीक कोन्या। खाणा और सो जाणा, खाणा और सो जाणा।

आधे तैं फालतू दुनिया खुद आपणे हाथां बीमार होरी सै। काम धाम करकै राजी नहीं, सुख सुविधा सारी हों और घर बैठे हों। लोग इतणे आलसी होरे सै अक पूछो मत। 24 घंटे बिजली दे दी, फेर भी खाट पै पड़े- पड़े न्यू सोचैं सैं अक सरकार आकै पंखें का बटन दबा दे, और कुछ खाण-पीण का पहुंचा दे। यो रवैया ठीक कोन्या। घर में रहो सो तो कुछ मेहनत कर्‌या करो। और नहीं तो सुबह सबेरे कम से कम आधा घंटा योग कर्‌या करो। लोग योग नै सीरियसली कोन्या लेते, जो गलत बात सै। बीमारियां तैं दूर रहणा सै तो बाबा रामदेव के योग जरूर अपणाने पड़ैंगे। शर्माण की बात नहीं सै। योग करो, रोज करो। ओर कुछ काम करो। कुछ भी करो, करो।

-मनोज प्रभाकर

हरिहर की धरती

सबका प्यारा, सब तैं न्यारा, हरिहर की धरती हरियाणा
तीरथ-मेले-धरोवरों का, धरम-धाम यो हरियाणा
हरिहर की धरती की महिमा, वेद -पुराणों मं गाई
गौरव-गाथा हतिहासों कै, स्वर्ण अक्षरों मैं छाई
आर्यवर्त, ब्रह्मावर्त, सारस्वत, नामा तैं सब नैं भाया
हरि का यान उरै आणै तैं, हरियाणा यो कहलाया
सप्तसिंधु का देस कदीमा, ब्होत पुराणा हरियाणा
सब का प्यारा, सब तैं न्यारा, हरिहर धरती हरियाणा ।
घग्गर, जमना, सरस्वती की, बहवैं पावन जलधारा
ऋषि-मुनियों की तपोभूमि सब, देव-देवियों का प्यारा
सृष्टि रचना खातर आड़ै, ब्रह्मा नै था यज्ञ किया
श्रीकृष्ण नै कुरुक्षेत्र मं, गीता का उपदेस दिया
महाभारत का धर्म युद्ध यो, जीत्तण वाला हरियाणा
सब का प्यारा, सब तै न्यारा, हरिहर धरती हरियाणा ।
कदम-कदम पै धरम-थलों मैं, सद्भावों की ज्योत जली
संत-फकीरों, सतगुरुओं कै परमारथ की खिली कली
कुरुक्षेत्र, थानेसर, पेहवा, संकटमोचन धाम बणे
हिसार, भिवानी, हांसी बरगे, धरोहरों के नाम घणे
पुण्य-तीर्थो, मेलों कारण, रोशन जग मं हरियाणा
तीरथ-मेले-धरोहरों का, धरम-धाम यो हरियाणा ।
जिब-जिब इसपै आफत आयी, जंग लड़े रणधीरों नै
धूल चटा जीते दुश्मन तैं, योधेय, भरत से वीरों नैं
स्वतंत्रता-संग्राम लड़्या था, जनता, वीर जवानों नै
कुर्बानी दे-दे चमकाया, देस सदा दीवानों नै
देस प्रेम मैं सब तैं आग्गै, सदा रह्या यो हरियाणा
सब का प्यारा सब तैं न्यारा, हरिहर की धरती हरियाणा ।
आओ! मिलजुल सारे इसनै, ऊंचा देस बणा देवां
ऊंच-नीच के, जात-पात के, चुकती भेद भुला देवां
हरे-भरे बन-खेता तैं यो, बहु धान्यक फिर कहलावै
चारूं तरफ विकास तैं इसकी, ख्याती-गिणती हो ज्यावै
देसा मैं यो देस निराला, बणज्या म्हारा हरियाणा ।
सब का प्यारा, सब तैं न्यास हरिहर की धरती हरियाणा ।

-रथुनाथ प्रियदर्शी

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com